



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Jenish Vallabhbhai Gujarati

Donated His: Kidney, Liver & Corneas

Date:- 09/06/2023

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

लेउवा पटेल समाज के ब्रेन डेड जैनिश की किडनी, लीवर और आंखें दान कीं, पांच लोगों को नया जीवन दिया

जैनिश वल्लभभाई गुजराती के परिवार ने मानवता की सुगंध फैलाई और समाज को एक नई दिशा दिखाई

सूरत का एक और अंग दान किरण अस्पताल से डोनेट लाइफ संस्था द्वारा किया गया



अनुल्य हिन्दुस्तान संबाददाता

सूरत। डोनेट लाइफ संस्था अब तक देश-विदेश के एक हजार से ज्यादा लोगों को अलग-अलग अंगों का दान कर नया जीवन देने में सफल रही है। टेक्स्टाइल और डायमंड सिटी के नाम से मशहूर सूरत शहर अब देश में ऑर्गान डोनर सिटी के नाम से मशहूर हो रहा है।

मूल मांडवी, ता. गारियाधर जिला, भावनगर और फिलहाल 49 आदर्श सोसाइटी, राजलक्ष्मी अपार्टमेंट के पीछे सूरत के सिंगमपुर कतारगाम में रहने वाले जैनिश हीरा कंपनी शिव इम्पेक्स में प्रबंधक के रूप में कार्यरत थे। जैनिश सात जून की सुबह साढ़े सात बजे इयूटी पर गया था। सुबह साढ़े नौ बजे

इन्होंने प्राप्त किए अंग और इन को मिला नया जीवन

परिजनों की ओर से अंग दान की सहमति मिलने के बाद स्टेट ऑर्गान एंड ट्रांसप्लान्टेशन ऑर्गेनाइजेशन का संपर्क किया गया और सोबोडो द्वारा लीवर और किडनी सूरत की किरण अस्पताल को आवंटित की गई जबकि किरण अस्पताल के डॉक्टर कल्येश गोहेल, डॉक्टर जिनेश देवरिया, डॉक्टर प्रमोद पटेल, डॉक्टर मुकेश अहिर, डॉक्टर धर्मेश धनानी और उनकी टीम ने किडनी का दान और लीवर का दान डॉक्टर धर्मेश धनानी, डॉक्टर मितुल शाह और उनकी टीम ने जबकि आंखों का दान किरण अस्पताल के डॉक्टर संकित शाह ने स्वीकार किया। दान में मिली एक किडनी ट्रांसप्लान्टेशन अहमदाबाद की निवासी 37 वर्षीय युवती में जबकि दूसरी किडनी का ट्रांसप्लान्टेशन सूरत के निवासी 32 वर्षीय युवक में और लीवर का ट्रांसप्लान्टेशन नवासारी के निवासी 39 वर्षीय व्यक्ति में सूरत की किरण अस्पताल में किया गया। वहीं दान में प्राप्त की गई आंखों का ट्रांसप्लान्टेशन किरण अस्पताल में 2 जरूरतमंद मरीजों को डॉक्टर संकित शाह द्वारा किया गया।

उसने अपने साथ के कर्मचारी से रहा हूं। आधे घंटे बाद जैनिश कहा कि मैं अभी नाश्ता करके आ नाश्ता करके नहीं लौटा तो उसके

मोबाइल पर कॉल करने वाले एक अज्ञात व्यक्ति ने जैनिश का फोन उठाया और कहा कि फोन करने वाला भाई अभी जिलानी पुल से तापी नदी में कूद गया है।

8 जून को न्यूरोसर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर, न्यूरोफिजिशियन डॉ. हीना फल्दू, इंटीसिविस्ट डॉ. अवशा पारेख और चिकित्सा निदेशक डॉ. मेहुल पांचाल ने जैनिश को ब्रॉडेड घोषित किया। डॉ. मेहुल पांचाल ने डोनेट लाइफ के संस्थापक-अध्यक्ष नौसेश मांडलेवाला से फोन पर संपर्क कर जैनिश की ब्रेन डेडेस की जानकारी दी और कहा कि उनका परिवार अंगदान की पूरी प्रक्रिया को समझना चाहता है और अंग दान करना चाहता है।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लीवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

जान देने वाले हीरा कारीगर के अंगदान से 5 को मिली नई जिंदगी



सूरत @ पत्रिका. तीन दिन पहले जिलानी ब्रिज से छलांग लगाने वाले और ब्रेनडेड घोषित किए गए हीरा कारीगर के किडनी, लिवर और चक्षुओं के दान से पांच जनों को नई जिंदगी मिली है। मूलतः भावनगर और यहां सिंगणपोर क्षेत्र निवासी जेनीश वल्लभ कतारगाम की एक

हीरा फैक्ट्री में नौकरी करता था। जून को नाश्ता करने के बहाने आफिस से निकलने के बाद जेनिश ने जिलानी ब्रिज से तापी नदी में छलांग लगा दी थी, लेकिन वह कीचड़ में फँस गया था। दमकल कर्मियों ने उसे बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती करवाया था।

ऑर्गन डोनर सिटी • अंगदान के प्रति जागरूक करने के लिए कई संस्थाएं काम कर रही हैं डायमंड कंपनी के मैनेजर 26 वर्षीय युवक की किडनी, लीवर और आंखों के दान से 5 लोगों को मिला जीवनदान

टेली रिपोर्टर | सूत

सूरत शहर यूं ते अपने डायमंड और टेक्स्टाइल के कारोबार के लिए देश और दुनिया में जाना जाता है, लेकिन धीरे-धीरे पिछले कुछ समय से शहर ऑर्गन डोनर सिटी के रूप में अपनी एक नई पहचान बनाता जा रहा है। सूरत शहर में लोगों को अंगदान के प्रति जागृत करने के लिए कई संस्थाएं काम कर रही हैं। सूरत से फिर एक बार अंगदान डोनेट लाइफ संस्था द्वारा किरण अस्पताल में किया गया। ब्रिज से गिरने पर 26 वर्षीय जेनीश वल्लभाई युजराती को ब्रेनडेड घोषित किया था। जिसके बाद परिवार ने अंगदान का फैसला लिया। जेनीश कतारगाम में डायमंड की कंपनी में मैनेजर के रूप में काम करता था। जेनीश ने 7 जून को सुबह 9:30 बजे जिलानी ब्रिज से तापी नदी में कूद गया। स्पॉषर अस्पताल में सीटी स्कैन करने पर पता चला कि उसे ब्रेन हेमोरेज है।



अखबारों में अंगदान के बारे में पढ़कर लिया निर्णय | परिवारजनों ने हताज के लिए

उत्तर किरण अस्पताल में भर्ती किया। परिवार ने अंगदान के जेनीश को ब्रेनडेड घोषित किया। परिवार ने अंगदान के महत्व को समझा। पिता वल्लभाई ने बताया कि हम अखबारों में अंगदान के समाचार पढ़ते हैं। मृत्यु होने के बाद शरीर राखी होने वाला है। इससे अच्छा अंगदान से ऑर्गन फेल्यूर वाले मरीजों को नया जीवन मिले।

एक किडनी अहमदाबाद की युवती में ट्रांसप्लांट की गई

पिता ने कहा कि मेरा बेटा दुनिया में नहीं है लेकिन उसके अंगों के दान से हमारा बेटा जीवित है, हमें ऐसा लगेगा। परिवार से अंगदान की सहमति मिलने के बाद लीवर और किडनी सूरत के किरण हॉस्पिटल में दी। एक किडनी ट्रांसप्लांट अहमदाबाद निवासी 27 वर्षीय युवती में, दूसरे किडनी ट्रांसप्लांट सूरत के निवासी 32 वर्षीय युवक में की गई। वहीं लीवर का ट्रांसप्लांट नवसारी में रहने वाले 39 वर्षीय व्यक्ति में किया गया। आंखों का ट्रांसप्लांट किरण हॉस्पिटल में 2 जूलाई में दर्शकों को किया जाएगा।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लीवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

जीवन लीला समाप्त करने वाले युवक ने 5 लोगों को दिया नया जीवन पुल से गिरे 26 वर्षीय रत्नकलाकार ब्रेनडेड



सूरत। टेक्सटाइल और डायमंड सिटी के नाम से मशहूर सूरत शहर अब देश में आँगन डोनर सिटी के तौर पर मशहूर हो रहा है। किरण हॉस्पिटल से डोनेट लाइफ संस्था द्वारा सूरत का एक और अंग दान किया गया है। पुल से गिरे जैनिश वल्लभभाई गुजराती को ब्रॉडेंड धोषित किया गया था, इसलिए उनके परिवार ने जैनिश को किडनी, लीवर और आँखें दान कर पांच लोगों को जीवनदान दिशा और समाज को एक नई दिशा दिखाई।

मूल रूप से भावनगर के मांडवी का रहने वाला और वर्तमान में सिंगनपोर आदर्श सोसाइटी में रहने वाला जैनिश कताराम में एक हीरा कपनी में प्रबंधक के रूप में कार्यरत था। जैनिश सात जून की सुबह साढ़े सात बजे द्यूटी पर गया था। सुबह 9.30 बजे उसने साथ वाले कर्मचारी से कहा, मैं अभी नाश्ता

खोपित कर दिया गया।

डोनेट लाइफ टीम ने जैनिश के परिवार को अंगदान की पूरी प्रक्रिया और महत्व के बारे में बताया। जैनिश के पिता वल्लभभाई और मामा अरविंदभाई ने कहा कि हम अखबारों में अंगदान की खबरें पढ़ते थे और यूट्यूब चैनल और फेसबुक पर डोनेट लाइफ के अंगदान के वीडियो देखते थे तो हमें लगा कि यह बहुत उपयोगी काम है। मरने के बाद जिसमें को राख में तब्दील होना पड़ता है, उसकी जगह अंगदान से आँगन फेलियर के मरीजों को नया जीवन मिलता है।

उन्होंने आगे कहा कि आज हमारा बेटा ब्रेनडेड है, हमें लगेगा कि अंगदान से हमारा बेटा इस दुनिया में जी रहा है। भारी मन से उन्होंने अपने ब्रेनडेड बेटे के अंगदान के लिए हामी भरी। जैनिश के परिवार में उनके पिता वल्लभभाई हैं जो शिव इम्प्रेक्स में

महिला में ट्रांसप्लांट की गई है, दूसरी किडनी सूरत निवासी 32 वर्षीय व्यक्ति में ट्रांसप्लांट की गई है। सूरत के किरण अस्पताल में निवासी 39 वर्षीय व्यक्ति में लीवर ट्रांसप्लांट किया गया है। दान की गई आँखों का किरण अस्पताल में दो जरूरतमंद मरीजों में प्रत्यारोपण किया जाएगा।

देश-विदेश के 1042 लोगों को मिली नई जिंदगी

डोनेट लाइफ संस्था द्वारा सूरत और दक्षिण गुजरात से कुल 1135 आँखों और ऊतकों का दान किया गया है, जिसमें 470 किडनी, 202 लीवर, 46 दिल, 36 फेफड़े, 8 अग्न्याशय, 4 हाथ, 1 आंत और 368 आँखें शामिल हैं। डोनेट लाइफ के माध्यम से अभी तक देश विदेश में कुल 1042 लोगों नया जीवन और नई दृष्टि देने में सफलता प्राप्त हुई है।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



લેઉવા પટેલ સમાજના ખેડન ડેડ યુવકના અંગ દાન થકી પાંચ વ્યક્તિઓને નવું જીવન મળ્યું હતું.

લેઉવા પટેલ સમાજના બ્રેઇન ડેડ યુવકના અંગ દાન થકી પાંચ વ્યક્તિઓને નવું જીવન મળ્યું

કિરણ હોસ્પિટલથી જેનીશ ગુજરાતીના પરિવારે ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી અંગદાન કરી માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી

ધબકાર પ્રતિનિધિ, સુરત, તા. ૦૮

મુજા ભાવનગર જિલ્લાના ગારીયાધાર તાલુકાના માંદવી જામના અને હાલ ૪૮, આદર્શ સોસાયટી, રાજકુલ્પી એપાર્ટમેન્ટની પાછળ, કોઝે રોડ, સિંગલાપોર ખાતે રહેતા જેનીશ વલ્લભભાઈ ગુજરાતી (૩. વ. ૨૬) બ્રેઇન ડેડ થતા પરિવારે ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી અંગદાન કરી પાંચ વ્યક્તિઓને નવું જીવન બસ્યું છે.

કતારગામમાં આવેલ શિવ હિંમેશામાં મેનેજર તરીકે તરીકે ફરજ ભજવતો જેનીશ જૂનના રોજ સવારે કામ પર ગયા હતા. ૬:૩૦ કલાકે સાથેના કર્મચારીને નાસો કરવા જવાનું કહી નીકળી ગયા બાદ જીવાની શ્રીજ પરથી તાપી નદીમાં કુદી ગયો હતો. શાયર બ્રિગેડના જીવાનો અને માછીમારોએ તેને બહાર કાઢી

તાત્કાલિક સીમેર હોસ્પિટલમાં દાખલ કરતા સિટી સેન્ટરમાં બ્રેન ડેમરેજ હોવાનું નિદાન થતા વધુ સારવાર માટે ડિરાણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયો હતો જ્યાં જૂનના રોજ બ્રેઇન ડેડ જાહેર કરાયો હતો.

આ અંગે ડે. મેહુલ પંચાલે ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક-પ્રમુખ નિબેશ માંડલેવાલાને જ્ઞાન કરતા ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પદોથી જેનીશના મામા અરવિંદભાઈ, ઉમેશભાઈ, હિંદેશભાઈને અંગદાનની સમગ્ર પ્રક્રિયા અને તેનું મહત્વ સમજાવતા પરિવારે અંગદાનની સંમતિ આપી હતી. જેથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા SOTTOને જાણ કરાઈ હતી અને SOTTO દ્વારા લિવર અને ડિની સુરતની ડિરાણ હોસ્પિટલને શાળવવામાં આવ્યા હતા. ચયુઓનું દાન પણ ડિરાણ

હોસ્પિટલના ડે. સંકિત શાહે સ્વીકાર્પુર દાનમાં મેળવવામાં આવેલી એક ડિરાણનું ટ્રાન્સપલાન્ટ અમદાવાદની ૩૭ વર્ષિય યુવતીમાં, બીજી ડિરાણનું ટ્રાન્સપલાન્ટ સુરતના ઉર્દુ વર્ષિય યુવકમાં લિવરનું ટ્રાન્સપલાન્ટ નવસારીના ૩૮ વર્ષિય વ્યક્તિનાં ડિરાણ હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું છે. ચયુઓનું ટ્રાન્સપલાન્ટ ડિરાણ હોસ્પિટલમાં જ બે જરૂરિયાતમંદ દર્દીમાં કરવામાં આવશે. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા કુલ ૧૧૩૫ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન કરવામાં આવ્યું છેનું ૪૭૦ ડિરાણ, ૨૦૨ લિવર, ૪૮ લ્લુદ્ય, ૩૬ ફેફસાં, ૮ પેન્કીઅસ, ૪ લાય, ૧ નાનું આતર્દૂં અને ૩૬ ચયુઓના દાનથી દર્શા અને વિદેશના કુલ ૧૦૪૨ વ્યક્તિઓને નવુંજીવન અને નવી દ્રષ્ટી બદલવામાં સહજતા મળી છે.

"જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યાદાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

યંદ્રોખાર આજાદ બિજ પરથી નદીમાં પડતું મૂકનાર યુવકનાં અંગોના દાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું

સુરત: બે દિવસ પછેલા યંદ્રોખાર આજાદ બિજ પરથી તાપી નદીમાં પડતું મૂકનાર યુવકને સારવાર માટે કિરણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયો હતો. ડોક્ટરોએ તેણે બેઠાન કેડ બોફર કરતા તેમના પરિવારે અંગદાન માટે સંગ્રહ કરી હતી. લિવર અને તેમજ અંગોનું દાન કરવામાં આવ્યું છે. આવી રોતે પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું છે.

ઓનેટ લાઇફ ટાંકાના પ્રસ્તુત નિલેશનાઈ માર્ડલેવાલાચો જ્યાંયું હતું કે કુળ ભાવનગરના ગર્ભીયાદ લાલુકાના માંડવી ગામના વતની અને સુરતમાં સિંગાળપોર આદર્શ સોસાયટીમાં ચેત્તો કેનીશ બલભાઈ ગુજરાતી (૩.૦.૨૮) કાસારામાં આપેલી એક હીરા કંપનીના મેળેજર દાસીકે નોકરી કર્યો હતો. નાચો કરવાના જીહાને નોકરી ઉપરથી ગયા બાદ



તે પદત કર્યો ન હતો, જેનીશે યંદ્રોખાર આજાદ બિજ પોતાનો કોણ લાલાદમાં સુકી પોતે તાપી નદીમાં કુઝીને આત્મહત્યાને પ્રયાસ કર્યો હતો. જેનીશને બહાર કાઢીને કિરણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવાયો હતો. ત્યા ડોક્ટરોએ તેણે બેઠાન કેડ બોફર કર્યો હતો. પરિવારજીને અંગદાનનું મદદ સમજાવતા પરિવાર અંગદાનની જરૂરિયત આપી હતી. જેનીશના જાતીયાંથી દાનમાં

મેળવવામાં આપેલી એક ડિડનીનું દ્રાન્જાલાનાટ યામદાવાણી રહેવાણી અને ચુંબકીનું, બીજુ ડિડનીનું દ્રાન્જાલાનાટ સુસૂતના રહેવાણી અને રાયથી સુરક્ષમાં, લિવરનું દ્રાન્જાલાનાટ નવજીવાણી રહેવાણી અને રાયથી વ્યક્તિમાં સુરતની કિરણ હોસ્પિટલમાં કરાર્યું છે. દાનમાં મેળવવામાં આપેલા ચચુંબોનું દ્રાન્જાલાનાટ કિરણ હોસ્પિટલમાં દર્દીમાં કરાર્યો.

જીલાની બિજ ઉપરથી પડતું મૂકનાર બ્રેઇનડેડ રત્નકલાકારનાં અંગોનું દાન

સુરત, તા.૮

સુરત શહેરના જીલાની બિજ પરથી તાપી નદીમાં પડતું મૂકનાર બ્રેઇનડેડ રત્નકલાકારની ડિડની, લિવર અને ચચુંબોનું દાન કરતા પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે.

મૂળ ભાવનગરના માર્ડલેવાલાના અને ધાલ સિંગાળપોર આદર્શ સોસાયટીમાં રહેતો જેનિશ વહેલભાઈ ગુજરાતી કન્તારગામમાં આવેલી ડાયમેન્ડની કંપીમાં મેનેજર તરીકે કર્યા બજેચવતો હતો. જેનિશ છ જીલાના રોજ સવારે ૭.૩૦ કલાકે કર્યા પર રથો હતો. નેને સવારે ૮.૩૦ કલાકે પોતાની સાથેની કર્મચારીને કહ્યું, હું હમણાં નાસો કરીને નહિ. એ બાદ તેના મૌખિક સુધી



જેનિશ ગુજરાતીએ પડતું મુક્તા જેન હેમરેજ થયું હતું: ડિડની, લિવર, ચચુંબોનું દાનથી પાંચને નવજીવન મળ્યું.

જેનિશ નાસો કરીને પદત ન કરતાં એક અજ્ઞાતી વ્યક્તિને કરતાં આજુભાજુમાં તેણે તપાસ જેનિશનો કોણ ઉપારીને કાઢું છે. કરવામાં આવી, પરંતુ તે મજબૂત ભાઈને કોણ છે તે ભાઈ જીલાની વિજથી હમણાં જ તાપી નદીમાં પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે.

કૃતી ગયા છે.

કાયરલિઝેડના જીવાનો અને આજુભાજુના માટીમાર ભાઈઓને તેને બહાર કારી તાલાવિક સારવાર માટે સિમ્પેર હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યો હતો. નિદાન માટે જ રેન્ડ કરવતાં જેન હેમરેજ હોલ્યાનું નિદાન થયું હતું. પરિવારજીનોએ વધુ સારવાર માટે તેને ડિરસ હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યો હતો, જ્યાં નાનરોજ જેનિશને બ્રેઇનડેડ અંડર કર્યો હતો. એનેટ લાઇફની ટીમે જેનિશનાં પરિવારજીને અંગદાન અંગે સમજાયું હતું. બાદમાં પરિવાર દ્વારા ભર્ણેડ જેનિશની ડિડની, લિવર અને ચચુંબોનું દાન કરતા પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે.

"જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યાદાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

બ્રિજ પરથી ભૂસ્કો મારનાર યુવકના અંગોનાં દાનથી 5ને નવજીવન મળ્યું

ફેલ્પાઇનેટ | સુરત

ચંદ્રશેખર આમાદ બ્રિજ ઉપરથી
તાપી નાદીમાં ભૂસ્કો મારી જીવન



દૂષિયાનાર
કલારગમના
યુવકના પરિવારે
તાપીનાં અંગોનું દાન
કર્યું હતું અને
જે નવજીવન
આપ્યું હતું. મૂળ ભાવનગરના
ગારિયાધર તાલુકાના માંડવી
ગમના વતની અને સિંગારપોરની
આદર્શ સોસાયટીમાં રહેતો જેનીશ
વહ્લાખમાઈ ગુજરાતી (26)
કલારગમના એક લોચા અંગોનાં
મેનેજર હતો. નાસ્તો કરવાના
બહાને નોકરી પરથી ગયા બાદ તે

અંગદાનથી પુત્ર જીવત હોવાની લાગણી થશે

બૃત્તું બાદ શરીર તો રાખ જ થઈ જવાનું છે, તેના કસ્તા અંગદાનથી
જરૂરિયાતમદ્દ દર્દીઓને નવજીવન મળે છે. અમારો દીકર્યે બ્રેઇનડેડ
છે, પણ અંગદાનથી દીકર્યે આ દુનિયામાં જીવી રહ્યો છે તેવી અમને લાગણી
થશે, કેવી અમારી સમીતિ છે. »જેનીશના પિતા

પરત દર્દોન હતો. જેનીશે ચંદ્રશેખર અપાઈ હતી. જેનીશની એક
આમાદ બ્રિજ પર પોતાનો કોણ કિડનીનું દ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની
સાઈટમાં મુક્કી તાપીમાં ફૂફૌને રહેવાસી 37 વર્ષાંથી યુવતીમાં, બીજું
આન્ધ્રાતા કરી લીધી હતી.

ફાર્યર બ્રિજેડ જેનીશને બાધાર રહેવાસી 32 વર્ષાંથી યુવતીમાં, બીજું
કાઢી સ્પોર્ટ લઈ ગયા બાદ વધુ લિવરનું દ્રાન્સપ્લાન્ટ નવસારીના
સારવાર માટે કિરણ હોસ્પિટલ રહેવાસી 39 વર્ષાંથી બ્યક્ઝીમાં
લઈ ગયા હતા. જ્યાં ટેકટારોને લઈ ગયા હતા. જ્યાં ટેકટારોને
તેને બ્રેઇનડેડ જાહેર કર્યો હતો. જેનીશના મોત અંગે તેના પરિવારને
વાત કરીને અંગદાન વિશે માહિતી સુરતના દ્રાન્સપ્લાન્ટ કિરણ હોસ્પિટલમાં બે
જરૂરિયાતમદ્દ દર્દીઓમાં કરાશે.

સુરતમાં બ્રેઇનડેડ રત્નકલાકાર યુવકના અંગદાનથી ૫ વ્યક્તિને મળ્યું નવજીવન

સુરત, નવી : સંકેરણ
પ્રેરણ કિનસ્ક્રૂપોર નાને કોણાં
અને બેઠનોડ પદેલા પૂર્ણાં
પરિયારહનોને હેઠો કેની,
બહુસ્ત્રો અનુભૂત અમદાવાદ અંગો
પરિયારહનોને નાનું
જીવન અધ્યાત્મી અનુભૂત
મહોદ્દુવી હતી.

ક્રેન્ટ કાર્યક્રમ સંબંધે
જાળાયું હતું, કિનસ્ક્રૂપોરનાને
દોષા ૨૧ વર્ષન હેઠો
વાતાખાત્માં જુદ્ધાંની
લાયકાતાખાત્માં વીચ કરીનીના
મેનેશર લઈને કલ અભિવ્યક્ત
હતા. ૩ જૂન પોતાના
કલાર્નેનારીને નાનાનો અસ્થ
જીવાનું કરીને નોર્મનો હતો.
અને અસ્થ જુદ્ધાંનેનો પદ્ધત
કલા અનુભૂતાયું હેઠો હતાન



ક્રેન્ટનાં અધ્યાત્મી બંદ્રેનાર
ટ્રેન્ને કેદો તેને બેન્ડોડ અને
અનુભૂત કિન પદ્ધતી લાયી નાનીના
કર્યો હતો. તેના અનુભૂત અનુભૂતની વાત અની
હતી નાથે નોર્મનું જીવાન જાનું
તેના અનુભૂત અનુભૂતની વાત અની
હતી. પોતોને હેઠો કેની, બીજું
અને બહુસ્ત્રોનું હાન અભિવ્યક્ત
હતી નાથે અનુભૂત અનુભૂત હતી
અનુભૂત હતું. તેના અનુભૂતની
લોનેર અનુભૂતની પ્રાણ
કલાનાં અન્યાં હતો. જ્યાં
નાનું હતું.

"જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યાદાન..."

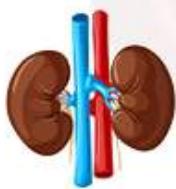


News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

● DONATE LIFE ●

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

DATE: JANUARY, 2006 TO 09TH JUNE, 2023



470

KIDNEY



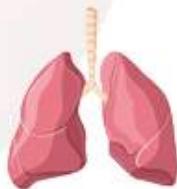
202

LIVER



46

HEART



36

LUNGS



08

PANCREAS



01

INTESTINE



368

CORNEA



04

HANDS

TOTAL 1135 ORGANS & TISSUES DONATED,

**which has given New Life & Vision to 1042 persons
across Country & Globe.**

"जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाट किडनी, लिवर, हृदयान..."